ICAR-NEH पहल के अंतर्गत मणिपुर के उत्तर-पूर्वी (NEH) क्षेत्र में किसानों की आजीविका सुदृढ़ करने तथा उन्हें वैज्ञानिक ज्ञान एवं कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 11/03/2026 को ***बतख के चूजों का वितरण सह तकनीकी हस्तक्षेप कार्यक्रम*** आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम **09/03/2026 से 11/03/2026** तक आयोजित तीन दिवसीय हस्तक्षेप गतिविधि का हिस्सा था, जिसका संचालन ICAR-IVRI के जैवरसायन (Biochemistry) विभाग के NEH समन्वयक **डॉ. आई. करुणा देवी** एवं **डॉ. मुकेश कुमार** द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन **ICAR-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI)** द्वारा **ICAR-कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), इम्फाल वेस्ट**, **KVK सेनापति**, तथा **ICAR-NEH क्षेत्रीय परिसर, इम्फाल केंद्र** के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में मणिपुर के विभिन्न जिलों से कुल **70 किसानों** ने लाभार्थी के रूप में भाग लिया।

09/03/2026 को खरीद समिति, जिसकी अध्यक्षता **डॉ. एल. कांता** द्वारा की गई, ने स्थानीय बतख उद्यमियों के चयनित फार्मों का दौरा किया तथा बतख के चूजों की खरीद के लिए कोटेशन एकत्रित किए। 10/03/2026 को समिति ने प्राप्त कोटेशनों का मूल्यांकन कर न्यूनतम उपयुक्त बोली के आधार पर खरीद को अंतिम रूप दिया। अनुकूलन क्षमता, रोग प्रतिरोधकता तथा उत्पादकता को ध्यान में रखते हुए **व्हाइट पेकिन (White Pekin)** एवं **मैग्पी (Magpie)** नस्लों के बतख चूजों को वितरण के लिए चयनित किया गया।

मुख्य कार्यक्रम 11/03/2026 को प्रातः **10:30 बजे** से **ICAR-KVK, इम्फाल वेस्ट** में आयोजित किया गया, जो IVRI, KVK सेनापति तथा ICAR-NEH क्षेत्रीय केंद्र, इम्फाल के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ। इस अवसर पर **डॉ. एस. बसंता सिंह**, प्रमुख प्रभारी, ICAR-NEH क्षेत्रीय केंद्र, इम्फाल ने *मुख्य अतिथि* के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को वैज्ञानिक बतख पालन की उन्नत तकनीकों से अवगत कराया गया, जिसमें आवास व्यवस्था, पोषण प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल तथा रोग नियंत्रण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। साथ ही विशेषज्ञों द्वारा **IVRI में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं**, जैसे कि व्यावसायिक प्रशिक्षण, टेली-परामर्श (Tele-consultancy), हेल्पलाइन सुविधा तथा पशुपालन प्रबंधन के लिए विकसित **AI आधारित मोबाइल अनुप्रयोगों** के बारे में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक **संवादात्मक सत्र** भी आयोजित किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा व्यावहारिक सुझाव साझा किए। इससे किसानों के तकनीकी ज्ञान एवं निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न केवल बतख पालन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना था, बल्कि उन्हें वैज्ञानिक कौशल एवं ज्ञान से सशक्त बनाकर **सतत् पशुपालन** को बढ़ावा देना भी था।

कार्यक्रम के समापन पर 11/03/2026 को प्रत्येक **70 किसानों को 50-50 बतख के चूज़े** बीज-स्टॉक के रूप में वितरित किए गए, जिससे वैज्ञानिक बतख पालन को प्रोत्साहन मिले तथा किसानों की आय में वृद्धि हो सके। इस कार्यक्रम को स्थानीय समाचार पत्रों एवं समाचार चैनलों में व्यापक रूप से कवरेज भी प्राप्त हुआ, जिससे क्षेत्र में वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा देने में इसकी महत्ता उजागर हुई।

कार्यक्रम की सभी औपचारिक कार्यवाहियों को पूर्ण करने के पश्चात टीम ने 12/03/2026 को **ICAR-KVK, इम्फाल वेस्ट** में आवश्यक दस्तावेजी कार्यवाही संपन्न की और वापस लौट आई।

समग्र रूप से यह कार्यक्रम **इनपुट वितरण, तकनीकी हस्तक्षेप तथा क्षमता निर्माण** का एक सफल समन्वित प्रयास रहा, जिससे मणिपुर के NEH क्षेत्र में किसानों की उत्पादकता, आय सृजन तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति में दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव पड़ने की अपेक्षा है।